सुरभि:

कक्षा – 6

सत्र 2019-20

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
|  | DIKSHA एप कैसे डाउनलोड करें? |  |
| विकल्प 1: अपने मोबाइल ब्राउज़र पर diksha.gov.in/app टाइप करें।  विकल्प 2: Google Play Store में DIKSHA NCTE ढूंढ़े एवं डाउनलोडबटन पर  tap करें। |

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें

|  |
| --- |
| DIKSHA को लांच करें—> App की समस्त अनुमति को स्वीकार करें—>उपयोगकर्ता Profile का चयन करें |

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
|  |  |  |
| पाठ्यपुस्तक में QR Code कोScan करने के लिए मोबाइल मेंQR Code tap करें। | मोबाइल को QR Code पर केन्द्रित करें। | सफलScan के पश्चातQR Code से लिंक की गई सूची उपलब्ध होगी |

डेस्कटॉप परQR Codeका उपयोग कर डिजिटल विषय-वस्तु तक कैसे पहुँचें

|  |  |
| --- | --- |
| 1-QR Code के नीचे 6 अंकों काAlpha  Numeric Codeदिया गया है। | ब्राउजर में diksha. gov.in/cgटाइप करें। |
| सर्च बार पर 6 डिजिट का QR  CODE टाइप करें। | प्राप्त विषय-वस्तु की सूची से चाही गई विषय-वस्तु पर क्लिक करें। |

निःशुल्क वितरण हेतु

**राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर**

**प्रकाशन वर्ष - 2019**

राज्य-शैक्षिक-अनुसंधान और प्रशिक्षण-परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

**-ः मार्गदर्शन:-**

 1. डॉ. रमाकान्त अग्निहोत्री, प्राध्यापक

भाषा विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली

2. डॉ. मनीषा पाठक, सेवा निवृत्त प्राचार्या

3. डॉ. तोयनिधि वैष्णव, प्राध्यापक शा.दू. श्री वैष्णव

स्नातकोत्तर संस्कृत महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

**-ः संयोजक:-**

डॉ. विद्यावती चन्द्राकर

**-ः विषय समन्वयक एवं सम्पादक:-**

श्री बी.पी. तिवारी, सहायक प्राध्यापक, एस.सी.ई.आर.टी.,रायपुर

**-ः लेखक समूह:-**

श्री बी.पी. तिवारी, डॉ. मनीषा पाठक, डॉ. तोयनिधि वैष्णव, डॉ. कुमुद कान्हे, श्री आर. पी. वाजपेयी, श्री शंकर लाल ध्रुव, श्रीमती प्रभावरी झा, श्रीमती मीना पाण्डेय, डॉ. एस. आर. शर्मा, श्रीमती उषापवार सिंह

**-ः चित्रांकन:-**

राजेन्द्र सिंह ठाकुर, समीर श्रीवास्तव

**-ः पृष्ठ सज्जा:-**

रेखराज चौरागड़े

**-ः आवरण पृष्ठ:-**

श्रीमती मंजुषा बेडेकर

**-ः सहयोग:-**

आसिफ, भिलाई, सुरेश साहू, मुकुन्द साहू

**प्रकाशक**

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर (छ.ग.)

**मुद्रक**

मुद्रित पुस्तकों की संख्या - ........................

**प्राक्क्थन**

शिक्षण में पाठ्यपुस्तकों की उपादेयता महत्वपूर्ण सहायक उपकरण के रूप में होती है। इसके माध्यम से छात्रों के व्यवहार में वांछित परिवर्तन हेतु प्रयास किया जाता है, जिससे उन्हें नए ज्ञान एवं अनुभवों की सम्प्राप्ति सुगमतापूर्वक हो जाती है। संस्कृत विषय की नवीन पाठ्यपुस्तकों का सृजन छत्तीसगढ़ राज्य की आवश्यकताओं एवं अपेक्षाओं के अनुरूप किया गया है।

हमारी शिक्षा में संस्कृत का विशेष महत्व है। भारतीय संस्कृति के संरक्षण तथा हिन्दी भाषा और साहित्य के सम्यक ज्ञान के लिए सम्प्रति संस्कृत का ज्ञान परमावश्यक है। कक्षा सातवी में पठन-पाठन की व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए यह पाठ्यपुस्तक नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के अनुरूप विद्यालयों के प्रत्येक स्तर पर न्यूनतम अधिगम-स्तर की प्राप्ति पर बल दिया गया है। पाठ्य-सामग्री का चयन छात्रों की मानसिक क्षमता व रुचि को ध्यान में रखकर किया गया है। संस्कृत-शिक्षण को अधिक सरल, सुबोध एवं व्यवहारपरक बनाने की दृष्टि से पाठ्य सामग्री का चयन सामान्य जनजीवन में क्रियाकलापों के आधार पर किया गया है। इस पाठ्यपुस्तक में निम्नलिखित बिन्दुओं पर विशेष बल दिया गया है -

1. पाठों की सरल भाषा व प्रस्तुतीकरण की रोचक विधि।

2. भाषाई कौशलों का विकास।

3. संवाद वाक्य एवं उसकी शब्दावली अगली कक्षाओं में छात्रों की समझ को पुष्ट बनाएगी।

4. पाठ्यपुस्तक छात्रों में अपने राष्ट्र एवं संस्कृति के प्रति समादर एवं भावनात्मक एकता उत्पन्न करने पर पुनर्बलन देगी।

5. आधुनिक वैज्ञानिक अविष्कार सङ्गणक (कम्प्यूटर), पर्यावरणगीत, छत्तीसगढ़ के पर्व, पौराणिक कथा, छत्तीसगढ़ की लोकभाषा, छत्तीसगढ़ के धार्मिक स्थल, गीताऽमृत, चाणक्य के वचन, ईदमहोत्सव, राष्ट्रीय पर्व, महापुरूषों की जीवनी, नीतिश्लोक, सूक्तियाँ आदि का समावेश इसमें प्रासंगिकता व नवीनता लाएगी।

6. प्रत्येक पाठ के अन्त में अभ्यास के प्रश्न दिए गए हैं। इस बात का ध्यान रखा गया है कि भावबोध एवं क्रियात्मक अभ्यास के प्रश्नों द्वारा पाठ में निहित मर्म, (अवधारणाएँ) भाषा-शैली एवं शिक्षण-विधियों के विविध पक्ष ग्राह्य एवं अभिव्यक्ति क्षमता दे सकें। फलस्वरूप वे अपनी वर्तनी, उच्चारण, शब्द एवं वाक्य रचना संबंधी क्षमताओं एवं प्रवीणताओं में निखार ला सकें।

7. पाठ्यपुस्तक में छात्र-क्रियाकलाप (गतिविधियों) पर विशेष ध्यान (बल) दिया गया है।

8. पाठ्य सामग्री को रोचक बनाने हेतु आवश्यक चित्रों का भी यथास्थान समावेश किया गया है।

बच्चों के मन में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि तथा सृजनात्मक अभिव्यक्ति क्षमता विकसित करने में शिक्षण विधा की महती भूमिका होती है। अतः कक्षाशिक्षण के समय पाठ्य सामग्री का रचनात्मक उपयोग परमावश्यक है। पाठ्यपुस्तक विकास की सहभागिता आधारित प्रक्रिया के अन्तर्गत विषय विशेषज्ञों के गहन विचारविमर्श के उपरान्त पाठ्यपुस्तक का विकास किया गया है। संस्कृत पाठ्यपुस्तक के उन सभी विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। जिनके ज्ञान, अनुभव और सतत् परिश्रम से इस पुस्तक को आकार मिला है।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छ.ग. द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में दक्षता संवर्धन हेतु अतिरिक्त पाठ्य संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से Energized Text Books एक अभिनव प्रयास है, जिसे ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन (डाउनलोड करने के उपरांत) उपयोग किया जा सकता है। ETBs का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यवस्तु के अतिरिक्त ऑडियो-वीडियो, एनीमेशन फॉरमेट में अधिगम सामग्री, संबंधित अभ्यास, प्रश्न एवं शिक्षकों के लिए संदर्भ सामग्री प्रदान करना है।

संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

छत्तीसगढ़, रायपुर

**पाठ्यक्रम**

**पाठ्य विषय**

(1) संस्कृत पाठ्यवस्तु को रोचक एवं आनन्ददायी बनाने के लिए गद्य, पद्य, कथा तथा संवाद पाठ को समामेलित किया गया है।

(2) कक्षा 6 संस्कृत में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए प्रयाणगीत, छत्तीसगढ़ के पर्व, कम्प्यूटर (संगणक) रायपुर नगर चाणक्य के वचन, ईदमहोत्सवः, गीताऽमृतम्, भोरमदेव, आदर्श छात्र, छत्तीसगढ़ की लोकभाषाएँ, संस्कृत में पत्र लेखन संस्कृत भाषा का महत्तव, वसन्त वर्णन, पौराणिक कथा, पर्यावरण, नीति श्लोक, महापुरूषों की जीवनी, होलिकोत्सव व संस्कृत सूक्तियों को समावेशित किया गया है।

**कौशलपरक दक्षताएँ -**

**1. श्रवण-**

1. छात्र संस्कृत की विशिष्ट ध्वनियों को सुनकर पहचान सकेगा. जिसमें अकारान्तपद विसर्ग, अनुनासिक एवं अनुस्वार की ध्वनियाँ, संयुक्ताक्षर ऊष्म ध्वनियाँ आदि.
2. संस्कृत के सरल वाक्यों को सुनकर अर्थ समझ सकेगा.

**2. भाषण-**

1. संस्कृत ध्वनियों से बने पदों का शुद्ध उच्चारण कर सकेगा.
2. पाठ्यपुस्तक में आए सुभाषितों को कण्ठस्थ कर सुना सकेगा.
3. संस्कृत में छोटे-छोटे सरल प्रश्नों का उत्तर दे सकेगा.

**3. वाचन-**

1. सरल संस्कृत गद्यांश का शुद्ध वाचन कर सकेगा.
2. सुभाषितों को कण्ठस्थ कर सुना सकेगा.

**4. लेखन-**

1. सरल शब्दों का शुद्ध वर्तनी में लेखन कर सकेगा.
2. सरल संस्कृत वाक्यों को सुनकर शुद्ध रूप से लिख सकेगा.

**5. चिन्तन-** पाठ्यपुस्तक को पढ़कर अथवा सुनकर उसमें विद्यमान गुण-दोषों के विषय में मत   
 रख सकेगा.

**6. भाषिक तत्व-**

1. वाक्य में विशेष्य के साथ सही विशेषण का अन्वय कर सकेगा.
2. वाक्य में प्रयुक्त नाम पर ( संज्ञा, सर्वनाम) के साथ क्रिया पदों का अन्वय कर सकेगा.
3. संस्कृत में सरल प्रश्न पूछ सकेगा तथा उनमें उत्तर भी दे सकेगा.

**7. अभिरुचि-** बालगीतों, कहानी एवं संवाद के माध्यम से संस्कृत के प्रति अभिरुचि उत्पन्न करना.

**संस्कृत व्याकरण**

**संज्ञा-** अकारान्त पुल्लिङ्ग- बालक, नर, देव, वृक्ष आदि.

**अकारान्त नपुंसकलिङ्ग -** पुस्तक, पुष्प, वन,जल, फल, नयन, मुख, ग्रह, वस्त्र, भोजन, शयन, शरण, नगर स्थान आदि.

**अकारान्त स्त्रीलिङ्ग-** बालिका,शाला,रमा, कन्या, बाला, जनता, तृष्णा परीक्षा, लता, यात्रा,वर्षा, विद्या, सेवा, कथा, सभा आदि।

**इकारान्त पुल्लिङ्ग-** मुनि, हरि, कवि, कपि, रवि, आदि। उकारान्त पुल्लिङ्ग-धेनु, तनु, चञ्चु, रज्जु आदि। ईकारान्त स्त्रीलिङ्ग - नदी, वाणी, भारती, भागीरथी, भगिनी, सरस्वती, जननी, पृथ्वी आदि। सर्वनाम - अस्मद्, युष्मद्, तद्, किम्

**विशेषण -** (संख्यावाची) एक से पाँच तक

संख्यावाचक एक, द्वि, त्रि, चतुर् एवं पञ्चन् शब्द के रूप तीनों लिङ्गों में चलते हैं।

**उपसर्ग -** प्र, परा, अप, सम्, अनु, अव, निस्, निर्, दुर्, पुर्, वि, आङ्, नि, अधि, अपि, अति, सु, उत्, अभि, प्रति, परि, उप। कारक- कारक चिन्हों का ज्ञान एवं विभक्ति में प्रयोग कर्ताकारक, कर्मकारक, करण कारक सम्प्रदान कारक, अपादान कारक, सम्बन्ध कारक, अधिकरण कारक, सम्बोधन कारक। क्रिया- क्रिया का ज्ञान कर लकारों में प्रयोग।

**धातु -** भू (भव्) लिख् ,हस्, पा (पिब्) नी (नय्)। लकार - लट्, लङ् एवं लृट् लकार का प्रयोग।

**वचन -** एक वचन, द्विवचन, बहुवचन।

**लिङ्ग -** पुल्लिङ्ग, स्त्रीलिङ्ग, नपुंसकलिंङ्ग। पुरुष - प्रथम पुरुष, मध्यम पुरुष, उत्तम पुरुष।

**अव्यय -** अधुना, श्वः, अधः, पश्चात्, उपरि, ततः, यतः, कुतः, सर्वत:, पुरतः, पुरः, यदा, कदा, तदा, कथम्, अतः, कुत्र आदि ।

**अनुक्रमणिका**

**क्रमांक पाठ पृष्ठ क्रमांक**

स्तुतिः 1

संवादः पाठः 2

गद्यम् 11

गद्यम् (राष्ट्रीय पाठः) संवादः 13

गद्यम् (पारिवारिक पाठः) 15

गद्यम् (संवादः पाठः) 17

गद्यम् (छत्तीसगढ़ परिचय पाठः) 19

पौराणिक कथा (गद्यपाठः) 21

गद्यम् 24

(गद्यपाठः) 28

बालगीतम् (पद्यम्) 30

गद्यम् (श्रृंगीऋषिस्थलपाठः) 32

गद्यम् (स्वास्थ्यपाठः) 33

गद्यम् (स्वास्थ्यपाठः) 37

गद्यम् (महापुरुषपाठः) 40

पद्यम् (ऋतुपाठः) 42

गद्यम् 45

गद्यम् 48

पद्यम् (श्लोकपाठः) 50

सूक्तयः 52

गीतम् 54

"व्याकरणम्" 56

1. संवादः
2. गावोविश्वस्य मातरः
3. राष्ट्रध्वजः
4. मम परिवार:
5. प्रश्नोत्तरम्
6. छत्तीसगढप्रदेशः
7. बालकः धूवः
8. आधुनिकयुगस्य आविष्काराः
9. मेलापकः
10. बालगीतम्
11. शृंगिऋषे: नगरी
12. अस्माकम् आहारः
13. शोभनम् उपवनम्
14. जवाहरलालनेहरुः
15. वर्षागीतम् (बालगीतम्)
16. दीपावलिः
17. छत्तीसगढराज्यस्य धार्मिकस्थलानि
18. नीतिनवनीतम्
19. सूक्तयः खण्ड (अ)
20. जयतु छत्तीसगढप्रदेशः खण्ड (ब)
21. परिशिष्ट-व्याकरणम्